



## संक्षिप्त समाचार

शोकाकुल झामुमो कार्यकर्ता राजू अंसारी से मिले पार्टी के पदाधिकारी



साहिबगंज़। झामुमो कार्यकर्ता राजू अंसारी के पिता के लिए उन पर शोकाकुल परिवार से मिलें मंगलवार को झारखंड मुवित मोर्चा जिला अध्यक्ष अपन सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हैंबूम, जिला सचिव सुरेश द्वृष्टि, केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा, रहमान अंसारी सहित अन्य उनके आवास पर पहुंचे। जिला अध्यक्ष सहित पार्टी पदाधिकारियों ने राजू अंसारी को माता व परिजनों से मूलतात कर शोक संबोधन व्यक्त करते हुए ढांडस बंधाया। वहीं ईंवर से शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने की कामना की।

**सोसो कलां गांव के पांच आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के बीच गर्म स्वेटर का वितरण**



गोला। बीड़ी ठंड को देखते हुए मंगलवार को गोला प्रबंद्ध के सोसो कलां गांव के पांच आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच में गर्म स्वेटर का वितरण किया गया। स्वेटर वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोसो कलां पंचायत के मुख्या लाइक आलम उपस्थित हैं। उन्होंने अपने हाथों से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों जाकर सेविकाओं की उपस्थिति में बच्चों के बीच में गर्म स्वेटर का बांटा। उन्होंने सभी बच्चों से नियमित रूप से ठंड से बचाव के लिए स्वेटर कर आंगनबाड़ी केंद्र पढ़ने को देखते हुए स्वेटर वितरण किया गया व्यक्तियों के स्वास्थ्य की देखभाल करना पहली प्राथमिकता है, इसलिए पंचायत की ओर से इस प्रकार की पहल जारी रखी। उपस्थित सभी लोगों ने कार्यक्रम की साराहना की और आंगनबाड़ी केंद्र के कार्यों की प्रशंसना की। मोबाइल सेविका सम्मा, मुख्य वितरण, उर्मिला, शिला, वार्द सदस्य बविल देवी, मालती, मुनाफ अहमद, अतह, रियाज, सुरेंद्र महतो, केसर आलम, अवेस सहित अन्य

**गणित को रोचक बनाने के लिए साहिबगंज में लगा गणित मेला**



साहिबगंज। प्रजायत्व संस्था और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान

में मंगलवार को साहिबगंज बीआरसी में कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों के लिए गणित मेला का आयोजन किया गया। मेले में बीड़ीओं सह सीओ बासुकिनाथ द्वारा बीड़ीओं आमतौर पर घासिल हुए। साथ ही बीआरसी, सीआरपी तथा शिक्षकों ने भी मेले में भ्रमण कर बच्चों की तैयारी की गई गणित प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रदर्शनी में बच्चों की तैयारी का उद्देश्य गणितियों के माध्यम से बच्चों को गणित की जानकारी देना है। प्रजायत्व संस्था के शिक्षम ने बताया कि मेला में टीएलएस के माध्यम से बच्चों को आसान तरीके से जोड़, घटाव, गुना और भाग करने के तरीकों की प्रदर्शनी लागाई गई। मेला में शीएमएस पॉखरिया और उर्दू यूनियनस के कक्षा 01 से 05 तक के बच्चों ने भाग लिया। मैके पर दोनों विद्यालयों के शिक्षक, अधिकारीक और छात्र छात्रा मीडूर थे।

**मोबाइल फोन चोरी करने वाले आरोपी युवक गदाई दियारा महाराजपुर से हुआ गिरफ्तार**



साहिबगंज। जिरवाबाड़ी

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले को मोबाइल युवक रामपुलार महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने

के लिए सर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।

**साहिबगंज़ : जिरवाबाड़ी**

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट

परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले साथी युवक रामपुलार

महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने

के लिए सर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।

**अधिकारी ने दियारा महाराजपुर से जिरवाबाड़ी के गोबाबाड़ी द्वारा गिरफ्तार करने के बाद अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।**

**साहिबगंज़ : जिरवाबाड़ी**

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट

परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले साथी युवक रामपुलार

महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने

के लिए सर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।

**साहिबगंज़ : जिरवाबाड़ी**

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट

परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले साथी युवक रामपुलार

महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने

के लिए सर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।

**साहिबगंज़ : जिरवाबाड़ी**

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट

परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले साथी युवक रामपुलार

महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने

के लिए सर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।

**साहिबगंज़ : जिरवाबाड़ी**

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट

परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले साथी युवक रामपुलार

महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने

के लिए सर अस्पताल लेकर आई। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा डॉ. कुमार ने फौरन आरोपी युवक का मैडिकल जांच करा जिसके बाद उसे जेल भेज दिया है। वही पुलिस ने आरोपी युवक के पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन को भी बरामद कर लिया है।

**साहिबगंज़ : जिरवाबाड़ी**

थाना थेन के गोबाबाड़ी हाट

परिसर से बीते दिनों 23 नवंबर 25 को मोबाइल फोन चोरी करने वाले साथी युवक रामपुलार

महतो उम्र 28 वर्ष पिता नारायण

महतो को जिरवाबाड़ी पुलिस ने राजमहल थाना क्षेत्र के गदाई दियारा

महाराजपुर से गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को मैडिकल जांच करवाने



















## कैसियन सागर में 1700 साल पुरानी इमारत मिली

वैज्ञानिक म्यूअॅन एडियोग्राफी की मटद से रस्यी शहर डॉर्ट के पास कैसियन सागर में छात्यरमयी इमारत को एकेन करने में जुटे हैं। उनका मानना है कि यह दुनिया की सबसे पुरानी चर्चों में से एक हो सकता है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि यह एक जलाशय या एक जोराएटियन फायर मंदिर भी हो सकता है।

इमारत स्थानीय शेल चूना पत्थर से बनी शोधकर्ताओं के मुताबिक, अगर इसके तथ्य मिल जाए कि यह एक चर्च है, तो यह दुनिया के सबसे प्राचीन चर्चों में से एक हो सकता है। यह इमारत मध्ययुगीन किले नार्यन-कला के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। यह पूरी तरह से भूमिकाएँ और स्थानीय शेल चूना पत्थर से निर्मित है, जो करीब 1700 साल पुरानी है। हालांकि, यहां उत्खनन कार्य किए जाने से यूनेस्को की यह साइट खतरे में पड़ सकती है। रुसी एकड़ी औफ साइरेज के शोधकर्ताओं, स्कोबिल्सन इस्टीट्यूट ऑफ न्यूरिलियर फिजिक्स लोमोनोसोव मार्स्को स्टेट यूनिवर्सिटी और डागोर्टेन स्टेट यूनिवर्सिटी ने इसकी ऊषे बनाने के लिए गैर-इनरियिंग तकनीक म्यूअॅन रेडियोग्राफी का उपयोग किया। पुरातत्वविदों के विभिन्न निष्कर्षों से पता चला कि इमारत एक ऋस के आकार में है। इससे संभावना जताई जा रही है कि यह एक चर्च हो सकता है। यह 36 फीट ऊंची, 50 फीट लंबी और 44 फीट ऊंची है। वैज्ञानिक समूह की प्रमुख नतलायित पोलुखिना का कहना है कि यह एक आयाकार इमारत है। इसकी बनावट को देखकर लगता है कि यह एक पानी का टैक हो सकता है। हालांकि, हम इसकी जांच में जुटे हुए हैं।

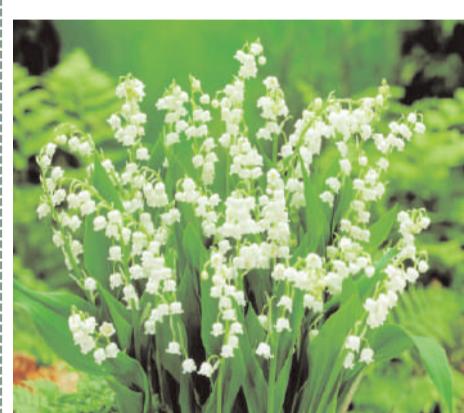


## ये हैं दुनिया के 4 सबसे महंगे फूल लाखों करोड़ में हैं कीमत

फूलों का इस्टेमाल हर तरह के समारोह में किया जाता है, घासे वह शादी हो या कोई छोटा सा फैसला। फूल किसी भी नौके को खास बनाने में मदद करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फूलों की कीमत इतनी अधिक होती है कि आप इन्हें खीट भी नहीं पाते हैं। दुनिया में ऐसे कई दुर्लभ और खूबसूरत फूल पाए जाते हैं, जिनकी कीमत लाखों करोड़ में जाती है। इन फूलों को उगाना और उनकी देखभाल करना बहुत मुश्किल होता है। यहीं वजह है कि यह इतने महंगे होते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए दुनिया के 4 सबसे महंगे फूलों के बारे में बताएंगे तो चलिए जानते हैं।

### घाटी की लिली

घाटी की लिली जिसे 'लिली ऑफ वैली' के नाम से



ग्लोरिसोया फूल न केवल खूबसूरत है, बल्कि काफी



महंगा भी है। ग्लोरिसोया मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका के गर्भ और आर्द्ध जलवायु वाले क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी अनूठी पंखुड़ियां और जीवंत रंग इसे अन्य फूलों से काफी अलग बनाते हैं। ग्लोरिसोया को उगाना काफी मुश्किल होता है, यहीं कारण है कि यह इतना दुर्लभ और महंगा फूल है।

### जूलियट रोज

जूलियट रोज को दुनिया का सबसे महंगा गुलाब माना जाता है और इसका कारण इसकी अनूठी कहानी है।

इस गुलाब को विकसित होने में 15 साल से अधिक

का समय लग जाता है एक फूल को विकसित करने

में इतना लंबा समय लगाना अपने आप में बहुत बड़ी



इटली का मोनफॉल्कोन शहर दुनियाभर में विशाल जहाज बनाने के लिए जाना जाता है। लेकिन फिलहाल यह टाइन अपने अनोरे नियम की वजह से दुनियाभर की सुर्खियों में शामिल है। दरअसल इस शहर में क्रिकेट खेलने पर प्रतिवधि लगाया गया है। यहां तक कि शहर की सीमा में क्रिकेट खेलने पर ए जाने पर 7 हजार रुपए तक का जुमानी भी लगाया जाता है। आज जानते हैं कि आखिर क्यों इस इटलीयन शहर ने क्रिकेट खेलने पर प्रतिवधि लगाया है।

एक तिहाई प्रवासी रहते हैं इसमें

मोनफॉल्कोन शहर की आवादी कीरीब 30 हजार

है। यहां रहने वालों में अधिकांश लोग अन्य देशों

के हैं, जो जहाज बनाने संबंधी काम करने के

लिए दुनियाभर के अलग-अलग जगहों से आए हैं।

इनमें भी अधिकांश बांगलादेशी नायरिक है।

यहां की मेराय एना मरिया क्रिसेंट का कहना है कि एक तिहाई से ज्यादा बाहरी लोग होने से शहर की संरक्षित और प्रपरा के खत्त होने का खतरा मंडरा रहा है। शहर का इतिहास मिट रहा है। मेराय, क्रिकेट का इटली की संरक्षित का हिस्सा नहीं मानती है। यहां बड़ी संख्या में बांगलादेशी रहते हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बांगलादेशी कामगारों की गैर मौजूदगी में यहां एक जहाज बनाने में 5 साल तक लग सकते हैं।

साथ ही केमरों की मदद से भी नजर रखी जा रही है। क्रिकेट बैन करने के पीछे का कारण देते हुए ये भी कहा जा रहा है कि शहर के पास नई पिंचे बनाने के लिए एंडर्ड और जगह नहीं हैं।

इसके अलावा क्रिकेट गेंदों से लोगों को चोट लाने का खतरा है। इसके पहले भी शहर में वौराहों पर लगी बैंगेस हटा दी गई थी। वर्तोंके यहां बांगलादेशी प्रोटेस्ट करते थे और नमाज अदा करते थे। इस शहर में कई बांगलादेशी रेसर्व, हालाल शॉप्स और साइकिल का विशेष मार्ग है, जिस सिर्फ दक्षिण एशियाई लोग उपयोग करते हैं।

बड़ी शिप कंपनी है यहां

मोनफॉल्कोन शहर में दुनिया की सबसे बड़ी शिपार्ट कंपनियों में से एक फिनशेटिएरी है।

इसी शिपार्ट में काम करने के लिए बांगलादेशी आते हैं। इटली में कूशल कामगारों की कमी है।

इसलिए दक्षिण एशियाई देशों से कई लंग काम

करने का जहाज बनाने में यहां एक जहाज बनाने में 5 साल तक लग सकते हैं।

## इटली के इस शहर में क्रिकेट बैन, खेलते पाए जाने पर जुर्माना



तैयार की गई तो नतीजा बेहतरीन था। साल 2009 में शुरू हुआ प्रोजेक्ट साल 2014 में तैयार हुआ और पूरी दुनिया इसे देखकर दर्शन रह गई। लोगों टॉवर 80 और 112 मीटर लंबे हैं और बिल्डिंग में चाँक द्वारा सारे पेंडे पौधे लगाए गए हैं, ऐसे में इनमें नमी बढ़ी रहती है। इससे लोगों को भरपूर और वैज्ञानिक मिलती है। साथ ही साथ यहां पक्षी और तितलियां भी आते हैं। यहां रहने वाले लोगों को कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि वे प्रकृति से कहीं ज्यादा दूर नहीं गए हैं।



## आसमान छूती इमारत में लगे हुए हैं 800 पेंड और 14 हज़ार पौधे!

आधुनिक युग में इंसान की जो सबसे बड़ी ज़रूरत है, वो हरियाली और पेंड-पौधे हैं। ये भी सच है कि विकास का सबसे ज्यादा नुकसान इन्हीं को उठाना पड़ा है, लेकिन अगर कुछ अलग सोचने की कोशिश की जाए तो अब भी ग्रीनरी बढ़ाने के लिए बेहतरीन से बेहतरीन कॉन्सेप्ट दुनिया में सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक कॉन्सेप्ट है वाटरकल फॉरेस्ट, इसके जरिये हरियाली का बनाए रखने का काम सिर्फ जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान छूतों में से भी।

लॉन्च किया, जो पूरी दुनिया में चारों का विषय बन गया। उन्होंने अगल-बगल बनाई गई दो इमारतों में पेंड-पौधों का पूरा अंग फॉरेस्ट तैयार कर दिया। आपको जानकर हरियाली हो जाएगी कि लोगों बिल्डिंग्स को मिला दिया जाए तो यहां 800 से ज्यादा पेंड और 14 हज़ार से भी ज्यादा पौधे जौजूद हैं। इस कॉन्सेप्ट ने बताया कि शहर की जिंदगी जीते हुए भी ज़ंगल और पेंड-पौधों को संरक्षित किया जा सकता है। ये तरीके ग्रीन अर्बन लाइफ का आइकॉन बनकर उभरी है। दरअसल साल 2007 में स्टेफानो बोएरी दुबई गए थे, वहां उन्होंने जो हाईरेज़ बिल्डिंग देखी, उसमें शीशे, मेटल और सिरियमिक का इस्टमाल हुआ था। जब उन पर सूरज की किरणें पड़ती थीं, तो ज़मीन पर गर्मी भी बढ़ जाती थी। जब इस पर और रिसर्च हुई तो पता चला कि वहां पिछले 7 सालों में जो भी इमारतें बनीं, उसमें 94 फीसदी शीशी लगाए गए थे। बोएरी ने यहीं देखने हुए इटली की दो हाईरेज़ बिल्डिंग्स में गर्मी रोकने के लिए पेंड-पौधे लगाने का कॉन्सेप्ट तैयार किया। जब ऐसा करके बिल्डिंग

